वर्ष 2025 माह मार्च अंक 39

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

देश की सबसे बड़ी लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की प्रस्तुति

बच्चों की प्रतिभा को दे एक नया आयाम।
बालमन से मिले हर प्रतिभा को सम्मान।।

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

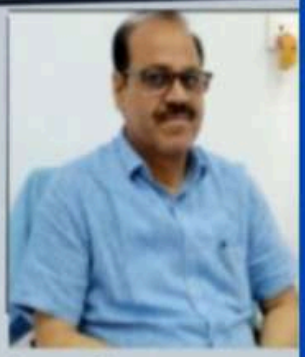

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से **"बाल मन कैमूर"** पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए **"बाल मन कैमूर"** के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ) **(सेवानिवृत)**

[शुभकामना संदेश]

अपार हर्ष के साथ कहना है की सरकारी विद्यालय के प्रतिभावान बच्चो के प्रतिभा को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के सकारात्मक ऊर्जा द्वारा ToB "बाल मन कैमूर" मासिक पत्रिका बच्चो और शिक्षको के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की तरह है जिसके माध्यम से बच्चो के कलात्मक,रचनात्मक,

सृजनात्मक और बौद्धिक क्षमता के साथ सर्वांगीण विकास हो रहा है।सरकारी विद्यालय के बच्चो ने भी इस पत्रिका के माध्यम से अपने प्रतिभा के परचम को राज्य स्तरीय पटल पर लहराने को प्रेरित किया है।इस नवाचार को अपनाने और बच्चो के लिए समर्पण भाव से कार्य करने के लिए मैं अपने तरफ से इस पत्रिका के संपादक धीरज कुमार और उनके टीम में शामिल सभी शिक्षको का आभार व्यक्त करते हुए बाल मन कैमूर को अपनी शुभकामना देते हुए सरकारी विद्यालय के बच्चो के उज्ज्वल और सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित।

दयाशंकर सिंह

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

औरंगाबाद

संपादकीय

प्यारे बच्चों,

प्रकृति अपनी सुंदरता के साथ सदा अपना चक्र दोहराती है।बसंत के साथ धीरे धीरे हम मार्च के महीने में प्रवेश कर गए हैं। रमजान का पाक महीना और होली इसी महीने हैं।आप सभी को सद्भावना और प्रेम के पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है।हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

शुभकामनाओं सहित
आपका
धीरज कुमार
प्रधान संपादक
9431680675

ToB बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक
ग्राफिक्स डिजाइनर → धीरज कुमार, उ. म. वि. सिलौटा, भभुआ (कैमूर)

सह सम्पादक → प्रमोद कुमार निराला,कन्या म . वि .चांद(कैमूर)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1.शरद कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश)
2. निकिता चौधरी (गुजरात)
3.सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)
4.दीपिका श्रीवास्तव एवं राघवेंद्र चंद्रा (छत्तीसगढ़)
5.अभय शर्मा(मध्य प्रदेश)

राज्य समन्वयक समिति

1.कुमार राकेश मणि, उ. मा. वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)

2. राकेश कुमार, म.वि.बलुआ,मनेर (पटना)

3. पुनीता कुमारी, रा.म.वि.नेउरी, बरौली, (गोपालगंज)

4. पुष्पा प्रसाद, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)

संरक्षक →

1.शिव कुमार, संस्थापक. टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

ToB बालमन

इस अंक में आप पढ़ेंगे....

नन्हें कलाकार की कलाकारी

रोचक जानकारी

प्रेरक प्रसंग

साइबर सुरक्षा

सामान्य ज्ञान

पद्य पंकज

अंतरिक्ष की दुनिया

व्यक्ति विशेष

अतीत के पन्नों से

मन की बात

दिवस विशेष

डॉट्स मिलाओ चित्र बनाओ

विषय विशेष ज्ञान

खेल कॉर्नर

अंतर खोजें

अजब गजब

दर्शनीय स्थल

हंसी के हसगुल्ले

रोचक तथ्य

कविता और कहानी

विश्व के धरोहर

आपकी पेंटिंग

फोटो ऑफ द मंथ

स्वास्थ्य सुझाव

बूझो तो जाने

क्विज

सुरक्षित शनिवार

गणित क्रॉसवर्ड

चेतना सत्र

ब्लैक बोर्ड आर्ट

TEACHERS OF BIHAR

अनमोल विचार

किसी भी देश की स्थिति, वहाँ रहने वाली महिलाओं की स्थिति से मालूम पड़ती है।

सरोजिनी नायडू
(स्वतंत्र भारत की पहली महिला राज्यपाल)

जन्म: 13 फरवरी 1879
मृत्यु: 02 मार्च 1949

विश्व विजय सिंह

ToB बालमन

प्रेरक प्रसंग

संगठन में शक्ति

एक बार हाथ की पाँचों उंगलियों में आपस में झगड़ा हो गया। वे पाँचों खुद को एक दूसरे से बड़ा सिद्ध करने की कोशिश में लगे थे। अंगूठा बोला कि मैं सबसे बड़ा हूँ, उसके पास वाली उंगली बोली मैं सबसे बड़ी हूँ। इसी तरह सारे खुद को बड़ा सिद्ध करने में लगे थे, जब निर्णय नहीं हो पाया तो वे सब अदालत में गये।

न्यायाधीश ने सारा माजरा सुना और उन पाँचों से बोला कि आप लोग सिद्ध करो की कैसे तुम सबसे बड़े हो? अंगूठा बोला मैं सबसे ज़्यादा पढ़ा लिखा हूँ क्योंकि लोग मुझे हस्ताक्षर के स्थान पर प्रयोग करते हैं। पास वाली उंगली बोली कि लोग मुझे किसी इंसान की पहचान के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। उसके पास वाली उंगली ने कहा कि आप लोगों ने मुझे नापा नहीं अन्यथा मैं ही सबसे बड़ी हूँ। उसके पास वाली उंगली बोली मैं सबसे ज़्यादा अमीर हूँ क्योंकि लोग हीरे और जवाहरात और अंगूठी मुझी में पहनते हैं। इसी तरह सभी ने अपनी अलग अलग प्रशंशा की।

न्यायाधीश ने अब एक रसगुल्ला मँगाया और अंगूठे से कहा कि इसे उठाओ, अंगूठे ने भरपूर ज़ोर लगाया लेकिन रसगुल्ले को नहीं उठा सका। इसके बाद सारी उंगलियों ने एक-एक करके कोशिश की लेकिन सभी विफल रहे।

।अंत में न्यायाधीश ने सबको मिलकर रसगुल्ला उठाने का आदेश दिया तो झट से सबने मिलकर रसगुल्ला उठा दिया - फ़ैसला हो चुका था, न्यायाधीश ने फ़ैसला सुनाया कि तुम सभी एक दूसरे के बिना अधूरे हो और अकेले रहकर तुम्हारी शक्ति का कोई अस्तित्व नहीं है, जबकि संगठित रहकर तुम कठिन से कठिन काम आसानी से कर सकते हो।

पद्य पंकज

वे मुस्काते फूल,
नहीं जिनको आता है मुरझाना,
वे तारों के दीप, नहीं जिनको
भाता है बुझ जाना!

महादेवी वर्मा

(26 मार्च 1907-11 सितम्बर 1987)

ToB बालमन

मन की बात

जब मेरे मामा जी ने अपने मोबाइल फोन पर 'ToB बालमन' पत्रिका डाउनलोड करके मुझे पढ़ने के लिए दी तो मेरे लिए यह एक आश्चर्य ही था क्योंकि मुझे पहली बार पता चला था कि अपने स्कूल की पाठयपुस्तकों से बाहर भी एक पढ़ने की दिलचस्य दुनिया है जो हमें कल्पना के संसार में ले जाती है। बालमन मैगजीन में अलग- अलग विद्यालयों में पढ़ने वाले भाई- बहनों की सुंदर ड्राइंग और उनकी कविताओं ने मेरा मन मोह लिया। साथ ही आदरणीय सर और मैडम की लिखी रचनाएं मुझे प्रेरणाप्रद लगीं। सबका हृदय से अभिनंदन।

आकांक्षा मौर्या ,कक्षा 9
रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल
चारबाग, लखनऊ (U.P.)

ToB बालमन

अंतर खोजें

30 सेकंड में
5 अंतर खोजें

लुम्बिनी(नेपाल)

ToB बालमन

विश्व के धरोहर

लुम्बिनी नेपाल में स्थित एक महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थल है। यहां भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था और यह यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में भी घोषित है।लुम्बिनी नेपाल के रूपन्देही जिले में स्थित है जो कपिलवस्तु के पूर्व में और शाक्य के दक्षिण-पश्चिम देवदाह में है।युनेस्को तथा विश्व के सभी बौद्ध सम्प्रदाय (महायान, बज्रयान, थेरवाद आदि) के अनुसार यह स्थान गौतम बुद्ध की जन्मस्थली है।

लुम्बिनी में अशोक स्तंभ भी है, जो सम्राट अशोक की लुम्बिनी यात्रा का प्रतीक है।लुम्बिनी में मायादेवी मंदिर भी है जो बुद्ध की माता मायादेवी को समर्पित है। यहां पुष्करिणी नामक एक पवित्र तालाब भी है जहाँ बुद्ध की माता ने स्नान किया था।लुम्बिनी को 1997 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया गया था। लुम्बिनी भारत की सीमा के बहुत करीब स्थित है। काठमांडू से कुछ किलोमीटर दूर निकटतम हवाई अड्डा भैरहवा में है, जहाँ सड़क मार्ग से पहुँचा जा सकता है।

धीरज कुमार

धीरज कुमार

Teachers of Bihar

बालमन

रोचक तथ्य

TOB बालमन

डॉट्स मिलाओ चित्र बनाओ

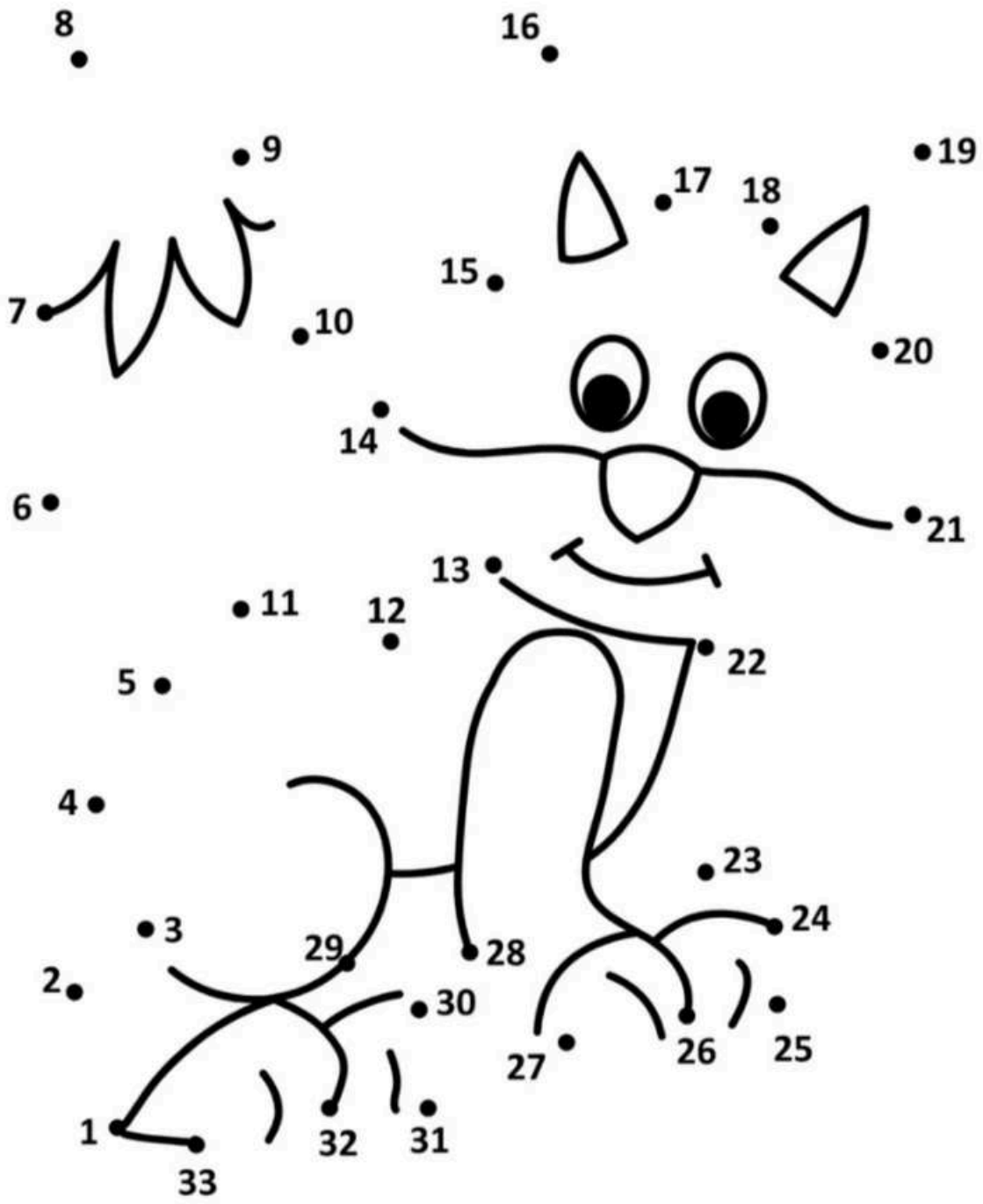

आप कौन से बनी आकृति पाते हैं? .....

विद्यालय में होली खेलना अच्छा लगता हैं ..

मेरा ऐसा सोचना है कि यदि कोई भी त्यौहार विद्यालय में मनाया जाए तो उसका आनंद चौगुना हो जाता है। क्योंकि हमें यहां अपने स्कूली मित्रों के साथ पर्व मनाने का अवसर मिलता है। इसलिए परीक्षा के अंतिम दिन हमने आपस में रंग खेलने की योजना बना ली। कुछ रंग, कुछ गुलाल...और हो गए सबके रंगबिरंगे गाल। सबके चेहरे पर थी अजीब सी खुशी की झलक, जो हमें होली आने के पहले ही मिल गई थी।

- महक तिवारी ,कक्षा 10
रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल
चारबाग, लखनऊ (U.P.)

ToB बालमन नन्हें कलाकार 1

अनोखी कुमारी,वर्ग 3
NPS बरमदिया इज़माल(पूर्वी चंपारण)

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर
कस्बा (पूर्णिया)

U.M.S.अमांव, चैनपुर (कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ (पटना)

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली
(कटिहार)

Health is wealth

ToB बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

स्वस्थ जीवनशैली के लिए रोजाना व्यायाम करना बहुत ज़रूरी है और ऐसी शारीरिक गतिविधि चुनना जो आपकी हृदय गति को बढ़ाए, आदर्श है।

मध्य विद्यालय मदारपुर
दरभंगा नगर

मध्य विद्यालय गुलालपुर
जमालपुर(मुंगेर)

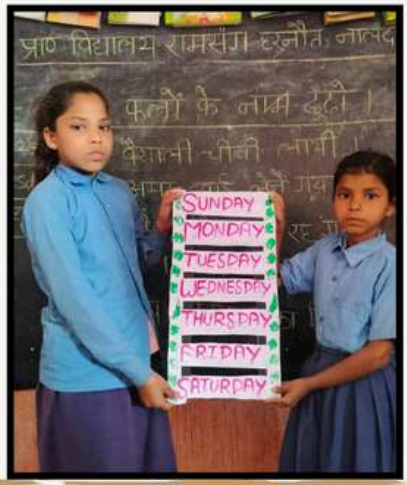

प्रीति कुमारी
प्राइमरी स्कूल रामसंग
हरनौत (नालंदा)

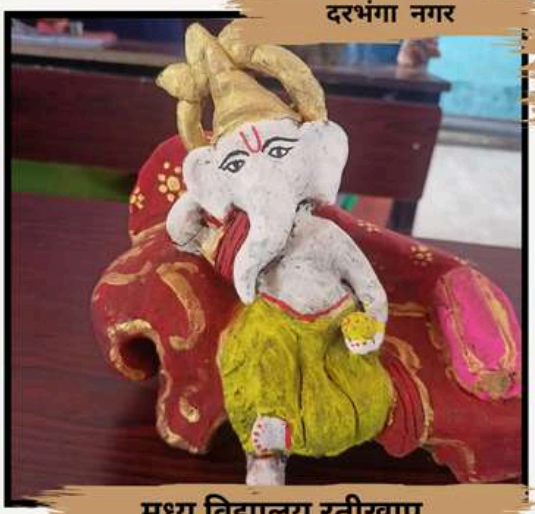

मध्य विद्यालय रतीखाप
कुटुंबा (औरंगाबाद)

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 2

राजकीय मध्य विद्यालय तेतरिया
(पूर्वी चंपारण)

प्रीति कुमारी वर्ग 6
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ
(कैमूर)

ToB बालमन कविता

होली

HAPPY HOLI

होली आई, होली आई।
रंग - बिरंगी होली आई।
रंगों का त्यौहार है होली,
सब लोगों का प्यार है होली,
घर - घर में है खुशियां लाई।
होली आई , होली आई।
पिचकारी में रंग डालकर,
एक - दूसरे को रंग लगाकर,
हम सब में है मस्ती छाई।
होली आई, होली आई।
रंग - बिरंगे पहनते कपड़े,
इस दिन किसी से हो न झगड़े,
होली का त्योहार निराली।
होली आई , होली आई।

अंजली कुमारी,वर्ग 8
U.M.S. अर्रा, मोहनियां
(कैमूर)

TOB बालमन

Cyber दूत

हेल्पलाइन नंबर :

1930

★★★★★

साइबर शिक्षा से होगी साइबर सुरक्षा

इंटरनेट का उपयोग करते समय हमेशा साइबर सुरक्षा प्रथाओं और सुरक्षा नैतिकता का पालन करें।

धीरज कुमार

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 3

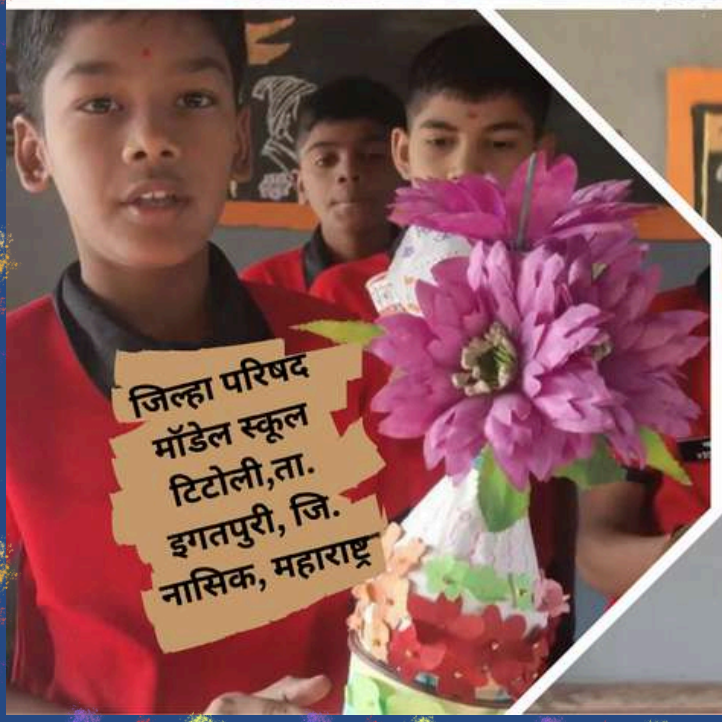

ToB बालमन कविता

नारी दिवस

घर की साज बता देती है की ,
घर पर नारी है ,
सुबह शंख की अवाज बता देती है,
की घर पर नारी है।

हर नारी एक झाँसी की रानी है,
ठान ले तो गुलामी से लड़ जाती है,
गुलामी चाहे अग्रेंजो की हो,
या हो समाज की खोखली रिवाज ।

सरल सौम्य जरूर हूं,
पर डरपोक नही हूं ,
प्रगती के पथ पर चलना हमे है ,
अपना अस्तित्व खुद रचना हमे है ।

नाम- अक्स नाज (छात्रा)
कक्षा- 11
ठाकुरगंज (किशनगंज)
बिहार

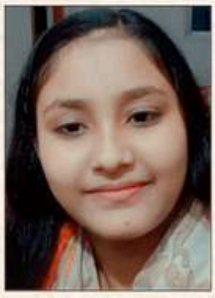

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) मेंटेन
सौजन्य से: दीपिका श्रीवास्तव (बालमन छत्तीसगढ़ टीम)

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

ToB बालमन
नन्हें कलाकार 4

उच्च माध्यमिक विद्यालय केवटगामा कुशेश्वर स्थान पूर्वी दरभंगा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सहमालपुर कजरा लखीसराय

NPS कवई, भभुआ (कैमूर)

प्रा०वि० प्रखंड कॉलोनी फूलवारी शरीफ पटना

ToB बालमन

Amazing Facts

चॉकलेट के बारे में..

1. महंगा कोको

कोको को हाथ से तोड़ा जाता है और केवल एक पाउंड चॉकलेट बनाने के लिए 400 फलियों की आवश्यकता होती है!

2. कैफीन की मात्रा

चॉकलेट जितनी गहरे रंग की होगी, कैफीन की मात्रा उतनी ही अधिक होगी। लेकिन कॉफी के मुकाबले यह अभी भी कम है।

3. देवताओं का भोजन

कोको वृक्ष का नाम "थियोब्रोमा कोको" है। जिसका अर्थ है "देवताओं का भोजन"।

4.नाजुक पेड़

कोको का पेड़ भी बहुत नाजुक होता है, इसलिए दुर्भाग्यवश किसानों को 30% तक फलियों का नुकसान हो सकता है।

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

UMS दुघरा, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास भभुआ कैमूर

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

ToB बालमन

5

नन्हें कलाकार

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर (कैमूर)

प्रेषक:-प्रधानाचार्य,डॉ संजय कुमार सिंह,उत्क्रमित उच्च माध्यमिक +2 बिद्यालय बैजनाथ रामगढ,कैमूर

प्रा ०वि ० ब्लॉक हेड क्वाटर कस्बा (पूर्णिया)

ToB बालमन

हमारा समाज

सार्वजनिक स्थल

अस्पताल /HOSPITAL

अस्पताल वह स्थान हैं जहां बीमार और घायल लोगों को इलाज और बच्चों का टीकाकरण किया जाता हैं।

विद्यालय/SCHOOL

विद्यालय एक ऐसा स्थान है जहाँ शिक्षा ग्रहण की जाती है, जहाँ बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और नैतिक विकास के लिए एक संगठित वातावरण प्रदान किया जाता है।

बैंक/BANK

बैंक एक वित्तीय संस्था है जो जमा राशि जमा करता है और ऋण देता है. बैंक, लोगों को पैसे की ज़रूरत के समय पैसे उपलब्ध कराता है. बैंकिंग, अर्थव्यवस्था में धन के प्रवाह को सुगम बनाता है

कचहरी/COURT

कचहरी, जिसे अदालत या कोर्ट भी कहते हैं, वह जगह है जहाँ सरकार की ओर से न्यायाधीशों द्वारा मुकदमों की सुनवाई करके न्याय किया जाता है।

ToB बालमन

ENGLISH CORNER

VERB

A verb is a word that expresses an action or a state of being.

Example :-

walk

Eat

Jump

Sing

Dance

Throw

Run

Write

Read

Pull

Drink

Sleep

ToB बालमन

आपकी 1 पेंटिंग

Chandni kumari class 4. Urdu primary school bhabua ward no 1, Kaimur

फलक नाज़ उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवंदिया चांद (कैमूर)

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा कटिहार

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फुलवारीशरीफ पटना

नयन राज ,क्लास 3
प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी ,नरपतगंज
जिला अररिया

PS block headquarter kasba (Purnea)

आपकी पेंटिंग 2

सिंटू कुमार,वर्ग - पंचम
प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी नरपतगंज
जिला अररिया

अक्स नाज,वर्ग 11,किशनगंज ,बिहार

प्राथमिक विद्यालय जगरिया
चैनपुर, कैमूर

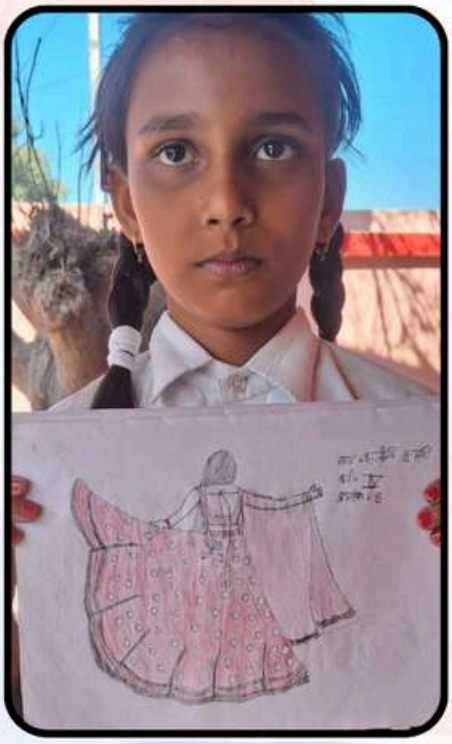

Ums jhitkahiyan rampur
(vaishali)

प्राथमिक विद्यालय उचित ग्राम पिपरा
पूर्णिया ,बिहार

पर्यायवाची शब्द

बादल - घन, मेघ, जलद, नीरद, जलधर

चांद - चंद्रमा, शशि, राकेश, सुधारक, मयंक

आंख - नेत्र, चक्षु, लोचन, नयन, दृष्टि

पेड़ - तरु, वृक्ष, पादप, विटप, अगम

कमल - पंकज, नीरज, सरोज, जलज, अंबुज

पानी - जल, नीर, अंबु, वारि, तोय, पय

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

कील नुकीला बनाया जाता है क्यों?

अधिक दाब लगाने के लिए कील को नुकीला बनाया जाता है, ताकि किसी वस्तु के अंदर आसानी से ठोंकी जा सके। नुकीला बनाने पर क्षेत्रफल कम होने के कारण दाब बढ़ जाता है।

ToB बालमन

आपकी पेंटिंग 3

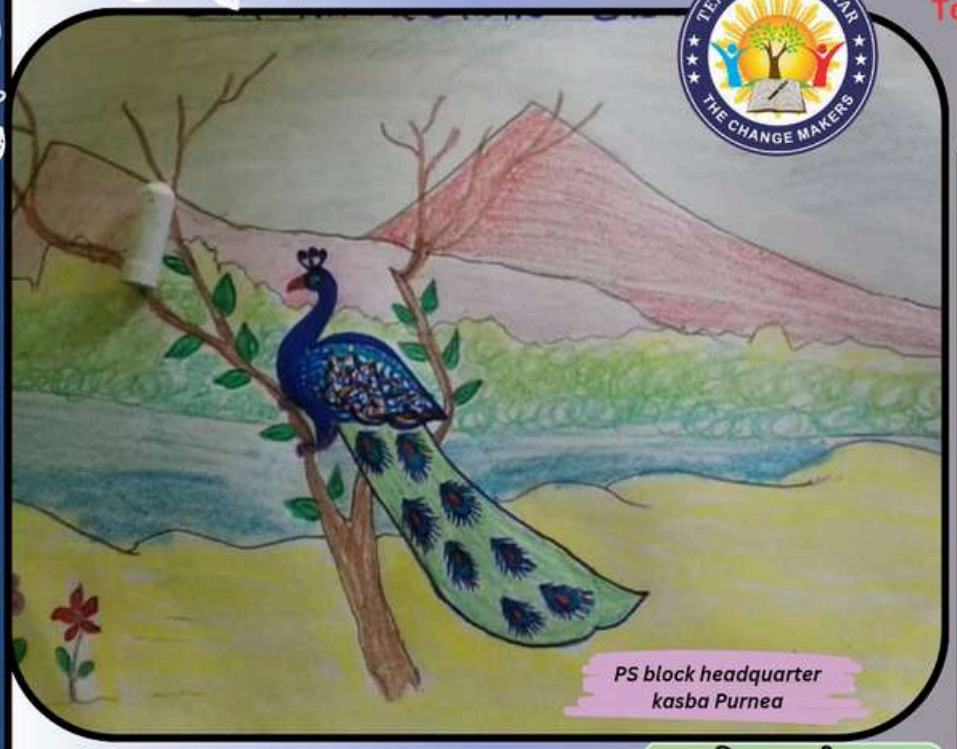

PS block headquarter
kasba Purnea

महिमा कुमारी
उत्क्र.म.वि.बहुआरा
भभुआ, कैमूर

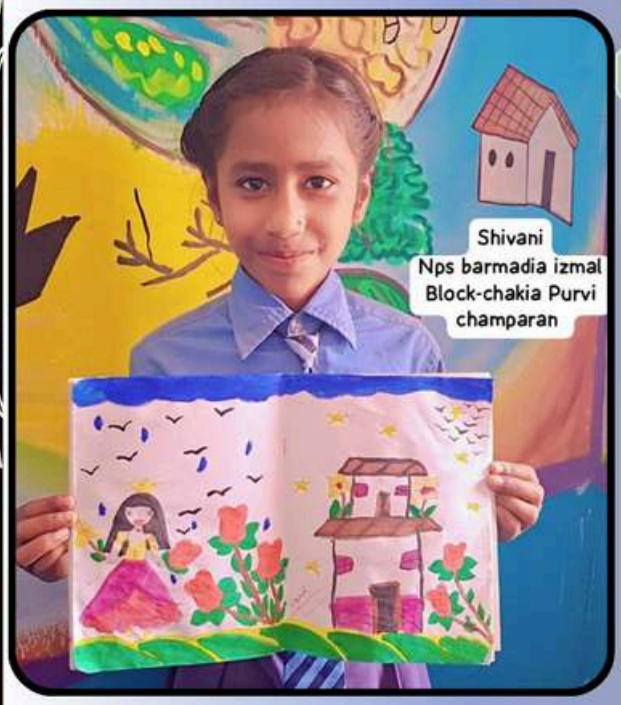

Shivani
Nps barmadia izmal
Block-chakia Purvi
champaran

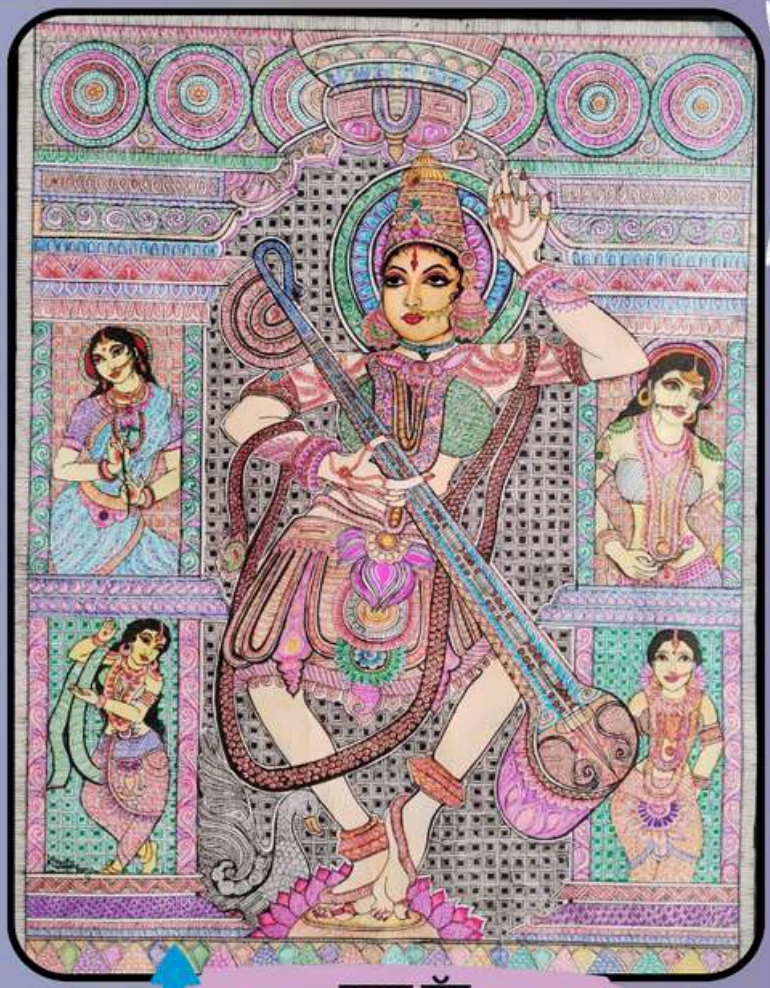

करण रॉय
रसल उच्च विद्यालय बहादुरगंज

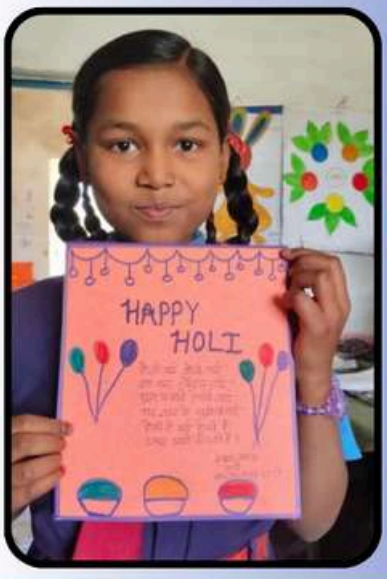

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर छत्तीसगढ़

ToB बालमन

आपकी पेंटिंग 4

उर्दू प्राथमिक विद्यालय
करवंदिया चांद, कैमूर

UHS कोटा नुआंव,
कैमूर

प्रा ०वि ० प्रखंड
कॉलोनी
फूलवारीशरीफ,पटना

प्राथमिक विद्यालय मितराज, प्रखंड बारुण, जिला औरंगाबाद

प्रा ०वि ० ब्लॉक हेडक्वाटर
कस्बा ,पूर्णिया

प्राथमिक विद्यालय कवई, भभुआ, कैमूर

हँसी के हसगुल्ले

आवश्यक सूचना

Holi में इतने भी फटे पुराने कपड़े मत पहन लेना
कि जिससे कोई तुम्हें रोटी हाथ में थमाकर चला जायें।।

इंग्लिश टीचर(क्लास में): गांधीजी इस फादर ऑफ दि नेशन।

तभी यह सुनते हुए प्रिंसिपल क्लास में आ कर बच्चों से हिंदी में पूछते हैं।

प्रिंसिपल: गांधीजी के पिता का क्या नाम है?

एक लड़का खड़ा होकर बोला: दिनेशन

प्रिंसिपल गुस्सा में: ये क्या बोल रहे हो?

लड़का: अभी तो सर बताए कि" गांधीजी इस फादर ऑफ दिनेशन"

अपनी पहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, तथा पता के साथ लिख कर संपर्क सूत्र 9431680675 पर भेजे ।उसे आपके नाम के साथ प्रकाशित किया जाएगा।

अरविंद कुमार

ToB बालमन

संस्कृत ज्ञान

फल नाम

आम

आम्रफलम्

केला

कदलीफलम्

सेब

सेवफलम्

अंगूर

द्राक्षाफलम्

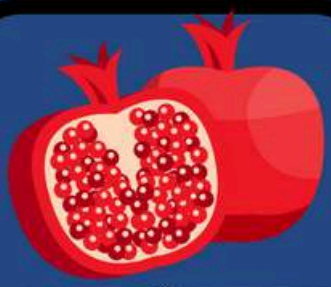

अनार

दाडिमम्

अनन्नासः

अनानासं

पपीता

मधुकर्कटी

अमरूद

अमृतफलम

संतरा

नारंगम्

धीरज कुमार

ToB बालमन

पेन और पेंसिल आर्ट

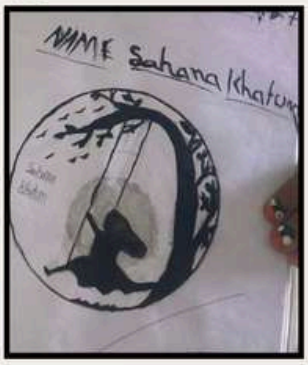

UHS कोटा, नुआंव (कैमूर)

Ums jhitkahiyan rampur,vaishali

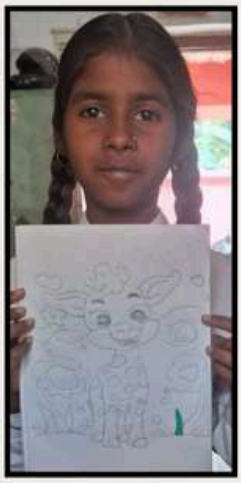

Priyanshu kumri ,Class-6
R.U.M.S.DUDAHAN, SIWAN

UMS BAHERIYAN ,CHAND
KAIMUR

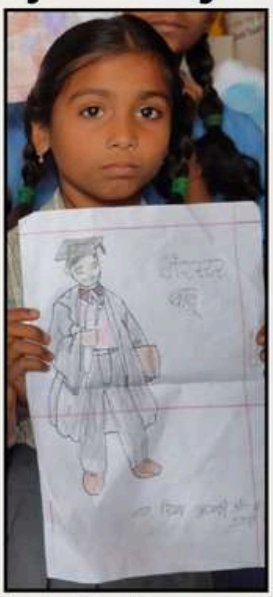

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेड क्वाटर कस्बा, पूर्णिया

प्राथमिक विद्यालय धोबी टोला
फारबिसगंज ,अररिया

UMS सिलौटा,भभुआ(कैमूर)

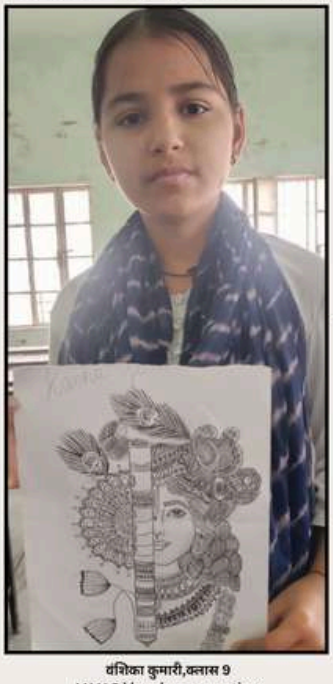

वंशिका कुमारी,क्लास 9
J U H S khamhar, samastipur

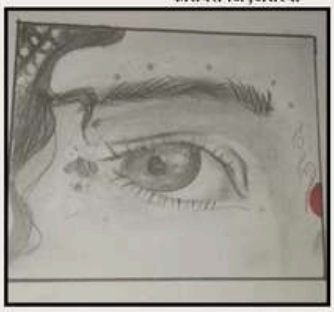

सुहानी सुमन
समस्तीपुर

प्राथमिक विद्यालय (अ. जा.)
मिहड़ा

नन्हीं गरिमा की होली

होली का त्यौहार आने वाला था। प्राथमिक विद्यालय के वर्ग 1 में पढ़ने वाली नन्ही गरिमा के घर में भी होली की खूब तैयारियां चल रहीं थीं। गरिमा की मां और दीदी मिलकर मीठी- मीठी गुझिया बना रहे थे । वहीं नन्हीं गरिमा भी पास बैठी थी। वह भी एक- आध गुझिया में खोया भरकर खुशी से फूली नहीं समा रही थी। गुझिया बनाते- बनाते अचानक मां ने नन्ही गरिमा से सवाल किया कि अच्छा बताओ बिटिया, तुम इस बार होली के दिन सबसे पहले किसे रंग लगाओगी?

नन्ही गरिमा के लिए मां का यह सवाल सरल नहीं था। उनका यह सोचना था कि गरिमा जिसे अधिक पसंद करती होगी, उसी के साथ सबसे पहले होली खेलेगी । देखते हैं कि परिवार की यह नन्ही बिटिया सबसे अधिक चाहती है, दादी मां , पापा , मम्मी या दीदी को ? मां के किए गए इस सवाल पर कुछ सोचकर नन्ही गरिमा बोली, "मम्मी जी, यह तो आपको होली वाले दिन ही पता चलेगा कि मैं अपना पहला रंग किसे लगाऊंगी।" नन्ही गरिमा के इस जवाब ने गहरा सस्पेंस पैदा कर दिया था। अब सबको होली वाले दिन का इंतजार था।

होली का दिन आ गया था। गरिमा उठी और अपनी किताबों वाली आलमारी से लाल रंग के गुलाल की डिबिया निकाल लाई। परिवार के सभी सदस्यों की नजर नन्ही गरिमा पर थी कि देखें आज वह सबसे पहले किसे रंग लगाती है? बेटी गरिमा गुलाल लेकर दौड़ते हुए घर के बगीचे में जा पहुंची और उसने अपने हाथों से लगाये हुए तुलसी के पौधे पर गुलाल लगा दिया और हाथ जोड़कर प्रणाम किया। उसके इस कार्य को देखकर सभी लोग भावुक हो गए थे। नन्ही गरिमा का प्रकृति प्रेम सबके मन को भा गया था।

शरद कुमार वर्मा (शिक्षक)
रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल
चारबाग, लखनऊ (U.P.)

रोचक गणित

वर्गमूल का मुख्य तथ्य

किसी भी संख्या का वर्गमूल एक संख्या के बराबर होता है, जिसे उसी संख्या से गुणा करने पर मूल संख्या प्राप्त होती है।

- किसी संख्या का वर्गमूल बताने के लिए √ चिह्न का उपयोग किया जाता है।
- पूर्ण वर्गमूल केवल पूर्ण वर्ग संख्या के लिए ही होता है।
- सम पूर्ण वर्ग का वर्गमूल सम होता है।
- एक विषम पूर्ण वर्ग का वर्गमूल भी विषम होगा।
- पूर्ण वर्ग संख्या ऋणात्मक नहीं हो सकती अतः ऋणात्मक संख्या का वर्गमूल परिभाषित नहीं है।
- 1, 4, 5, 6, या 9 पर समाप्त होने वाली संख्याओं का वर्गमूल होगा।
- यदि किसी संख्या का इकाई अंक 2, 3, 7, या 8 है तो पूर्ण वर्गमूल निकालना संभव नहीं है।
- यदि किसी संख्या के अंत में शून्यों की संख्या विषम हो, तो उसका पूर्ण वर्गमूल नहीं हो सकता। पूर्ण वर्गमूल केवल शून्यों की सम संख्या के लिए ही संभव है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
UHS कोटा, नुआंव(कैमूर) बिहार

सुरक्षित शनिवार

आदर्श मध्य विद्यालय तुलसिया
दिघलबैंक(किशनगंज)

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा
समेली(कटिहार)

गीतांजलि और पल्लवित,वर्ग 5
मध्य विद्यालय दूदहान रघुनाथपुर(सीवान)

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी
नरपतगंज(अररिया)

राजकीय मध्य विद्यालय चन्दनपट्टी
सकरा (मुजफ्फरपुर)

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी
बरौली (गोपालगंज)

संकलनकर्ता: धीरज कुमार

आप और हम

होली और ईद

होली और ईद दोनों ही त्योहार, भले ही अलग-अलग धर्मों से जुड़े हों, लेकिन दोनों में कुछ समानताएं हैं, जैसे कि दोनों खुशियों और मिलनसारिता का प्रतीक हैं। दोनों बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देते हैं। दोनों त्योहार खुशियों, मिलनसारिता और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं।

- दोनों त्योहार सामुदायिक उत्सव हैं, जहाँ लोग एक साथ आते हैं और खुशियाँ मनाते हैं।
- होली रंग और उत्सव का त्योहार है, जबकि ईद में भी रंगीन कपड़े और मिठाइयाँ शामिल होती हैं।
- होली और ईद के दिन सारे लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और गले लगकर आपसी भाईचारे व सौहार्द का संदेश देते हैं। युग-युगीन से मान्यता है, कि होली औऱ ईद के दिन लोग पुरानी कटुता भूलकर गले मिलते हैं ओर फिर से दोस्त बन जाते हैं।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
U.H.S. कोटा ,नुआंव (कैमूर)
बिहार

ToB बालमन

नैतिक शिक्षा

PLAY GROUND RULES

खेल के नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि ये नियम खेल को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने में मदद करते हैं ।

खिलाड़ियों को धैर्य और सहनशीलता के साथ खेलना चाहिए और हार-जीत को स्वीकार करना चाहिए।

खिलाड़ियों को एक टीम के रूप में काम करना चाहिए और एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए।

खेल को जीतने के लिए नहीं, बल्कि खेलने के आनंद के लिए खेलना चाहिए।

धीरज कुमार

ToB बालमन

Black /Green Board Art

उत्क्रमित मध्य विद्यालय पैठनपट्टी 2, मांझा(गोपालगंज)

U.M.S. गौरा, भगवानपुर कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास भभुआ (कैमूर)

U.M.S. सिलौटा, भभुआ कैमूर

प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर, छातापुर(सुपौल)

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली कटिहार

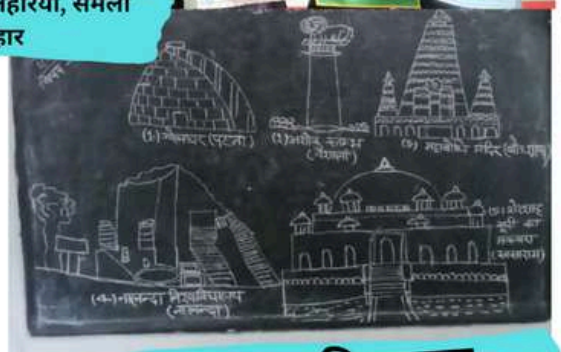

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ (कैमूर)

राजकीय मध्य विद्यालय सकरा(मुजफ्फरपुर)

ToB बालमन

मास विशेषांक

चैत्र मास

भारतीय पंचांग का पहला महीना चैत्र है। चित्रा नक्षत्र से संबंध होने के कारण इसका नाम चैत्र पड़ा है। चैत्र माह से ही वसंत का समापन और ग्रीष्म का आरम्भ होता है तथा साथ ही शुभता और ऊर्जा का भी आरंभ होता है।

चैत्र मास में ऋतु का परिवर्तन होता है, जो शरीर पर विशेष प्रभाव डालता है। आयुर्वेद के अनुसार, यह अवधि शरीर को शुद्ध करने और स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए अनुकूल मानी जाती है। इस समय हल्का और सात्त्विक आहार लेने की सलाह दी जाती है।

चैत्र माह का विशेष महत्व इस कारण से भी है क्योंकि इसी महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिन्दू नववर्ष विक्रमी संवत 2082 की शुरुआत होती है। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को हिन्दू नववर्ष के अलावा ईरान में इस तिथि को 'नौरोज' यानी 'नया वर्ष' मनाया जाता है। आंध्र में यह पर्व 'उगादिनाम' से मनाया जाता है। उगादिका अर्थ होता है युग का प्रारंभ, अथवा ब्रह्मा की सृष्टि रचना का पहला दिन।

इस प्रतिपदा तिथि को ही जम्मू-कश्मीर में 'नवरेह', पंजाब में वैशाखी, महाराष्ट्र में 'गुडीपड़वा', सिंध में चेतीचंड, केरल में 'विशु', असम में 'रोंगली बिहू' आदि के रूप में मनाया जाता है।

हिन्दूधर्म में यह समय अत्यंत पवित्र माना जाता है और इसी महीने चैत्र नवरात्रि का आयोजन होता है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 30 मार्च 2025 से प्रारंभ होकर 7 अप्रैल 2025 तक चलेगी। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है, व्रत रखे जाते हैं, और घर-घर में भक्तिमय वातावरण का निर्माण होता है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
U.H.S. कोटा, नुआंव , कैमूर

ToB बालमन

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

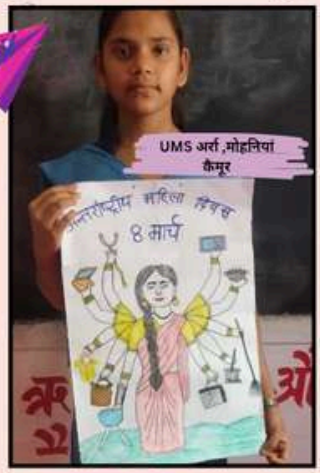

8 MARCH

HAPPY
Women's Day

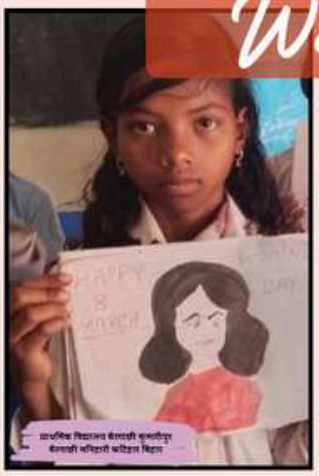

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

चंद्रप्रभा वन्यजीव अभ्यारण्य (U.P.)

चंद्रप्रभा वन्यजीव अभयारण्य की स्थापना मई 1957 में जैव विविधता के विकास और संरक्षण के लिए की गई थी। यह छोटी पहाड़ियों, प्रागैतिहासिक गुफाओं, सुहाने झरनों और घने जंगल से घिरा हुआ क्षेत्र है। अभयारण्य का नाम चंद्रप्रभा नदी के नाम पर रखा गया है, जिसका अर्थ है 'चाँद की चमक'। चंद्रप्रभा नदी कर्मनाशा नदी की एक सहायक नदी है, और दोनों जंगल से होकर गंगा में मिलती हैं। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, दोनों नदियों ने हजारों वर्षों से रास्ते में कई तरह की वनस्पतियों और जीवों का पोषण किया है। काशी राज दिवोदास धन्वंतरि के समय से ही दुर्लभ और समृद्ध वनस्पतियाँ आयुर्वेदिक चिकित्सा का एक प्रमुख स्रोत रही हैं। कैमूर पर्वतमाला की उत्तरी ढलानों पर नौगढ़ किले और विजयगढ़ किले के पास स्थित पहाड़ियों और घने जंगल में 78 वर्ग किलोमीटर में फैली सैकड़ों गुफाएँ छिपी हुई हैं। वर्तमान में परित्यक्त ये गुफाएँ आदिम काल में शुरुआती मनुष्यों का घर थीं। इन गुफाओं की दीवारों पर आदिम गुफा चित्रों के रूप में उनके जीवन और निवास के साक्ष्य आज भी मिल सकते हैं। अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में वाराणसी के शासकों के लिए शिकारगाह के रूप में इस जंगल को विकसित किया गया था। यहाँ कई तरह के जंगली जानवर पाए जाते हैं, जिनमें काले हिरण, चीतल हिरण, सांभर हिरण, नीलगाय, जंगली सूअर, भालू, तेंदुआ, साही, चिंकारा, घड़ियाल और अजगर शामिल हैं। पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग, इस अभयारण्य में पक्षियों की लगभग 150 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। यहां आने वाले पर्यटकों और आगंतुकों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के वन और पर्यटन विभाग ने निजी सहयोगियों की मदद से बहुत ही आरामदायक आवासीय सुविधाएं विकसित की हैं। आगंतुक यहां कई तरह की मजेदार गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं जैसे कि लंबी पैदल यात्रा, साइट-सीइंग, आदिवासी संगीत, स्वादिष्ट भोजन और बहुत कुछ।

14 मार्च

समस्त देशवासियों को

टीचर्स ऑफ बिहार परिवार की ओर से

की हार्दिक शुभकामनाएं

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

PUNITA KUMARI

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन

Holi special

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

Govt UMS SENUARIYA ,CHANPATIA (WEST CHAMPARAN)

UMS सिलौटा, भभुआ कैमूर

मध्य विद्यालय सहसपुर, बारून औरंगाबाद

Premlata class 5
P.s.Bairgachhi kumaripur manihari (katihar)Bihar

PS block headquarter kasba Purnea

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली, कटिहार

UMS अर्रा, मोहनियां कैमूर

सौजन्य से: गुंजन सक्सेना, बरेली (U.P.)

प्रहलाद और होलिका

होली का त्यौहार प्रह्लाद और होलिका की कथा से भी जुडा हुआ है। विष्णु पुराण की एक कथा के अनुसार प्रह्लाद के पिता दैत्यराज हिरण्यकश्यप ने तपस्या कर देवताओं से यह वरदान प्राप्त कर लिया कि वह न तो पृथ्वी पर मरेगा न आकाश में, न दिन में मरेगा न रात में, न घर में मरेगा न बाहर, न अस्त्र से मरेगा न शस्त्र से, न मानव से मारेगा न पशु से। इस वरदान को प्राप्त करने के बाद वह स्वयं को अमर समझ कर नास्तिक और निरंकुश हो गया। वह चाहता था कि उनका पुत्र भगवान नारायण की आराधना छोड़ दे, परन्तु प्रह्लाद इस बात के लिये तैयार नहीं था। हिरण्यकश्यप ने उसे बहुत सी प्राणांतक यातनाएँ दीं लेकिन वह हर बार बच निकला। हिरण्यकश्यप की बहन होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जलेगी। अतः उसने होलिका को आदेश दिया के वह प्रह्लाद को लेकर आग में प्रवेश कर जाए जिससे प्रह्लाद जलकर मर जाए। परन्तु होलिका का यह वरदान उस समय समाप्त हो गया जब उसने भगवान भक्त प्रह्लाद का वध करने का प्रयत्न किया। होलिका अग्नि में जल गई परन्तु नारायण की कृपा से प्रह्लाद का बाल भी बाँका नहीं हुआ। इस घटना की याद में लोग होलिका जलाते हैं और उसके अंत की खुशी में होली का पर्व मनाते हैं।

ToB बालमन

अजब गजब

लठमार होली

लठमार होली, जो बरसाना (मथुरा, उत्तर प्रदेश) में खेली जाती है, एक खास तरह की होली है, जिसमें नंदगांव के पुरुष और बरसाने की महिलाएं भाग लेते हैं, और महिलाएं पुरुषों पर लाठियाँ बरसाती हैं।

मसान होली

भस्म होली, जिसे मसान होली के नाम से भी जाना जाता है, वाराणसी में मनाई जाने वाली एक अनूठी परंपरा है, जहां रंगों के बजाय अंतिम संस्कार की चिता से पवित्र राख का उपयोग करते हैं ।

अंगारों वाली होली

इस प्रकार की होली राजस्थान, मध्यप्रदेश और कर्नाटक के कई इलाकों में खेली जाती है। अंगारों की होली को अग्नि होली के नाम से भी जाना जाता है। यह वीरता और आस्था से जुड़ी एक अनोखी परंपरा है।

फूलों वाली होली

फूलों वाली होली, जिसे फुलेरा दूज भी कहा जाता है, मुख्य रूप से वृंदावन और बरसाना में मनाई जाती है, जहाँ भक्त एक-दूसरे पर रंग-बिरंगे फूलों की पंखुड़ियाँ बरसाते

ToB बालमन

Addition Crossword

3	+		=	6
+				+
8				2
=				=
		2		
		+		
7				9
+		=		+
	+	4	=	5
=				=

	+	5	=	
+				+
2	+	5	=	7
=		+		=
	+	2	=	10
				=
			=	

TOB बालमन कविता

बिहार दिवस

बिहार बुद्ध के नाम पर पड़ा
मेरा बिहार है सबसे बड़ा,
मुझे गर्व है अपने बिहार पर
ये बिहार है भारत में खड़ा।

मेरा बिहार करे सबका उपकार,
यहाँ का लिट्टी और चोखा बनता है
बनता है लाजवाब सबकोई शौक से खाते
ये नाश्ता बच्चे बूढ़े सब मिलकर खाते।

यहाँ गौतम की तपोभूमि है महावीर का
प्यार,
यहाँ बहती है गंगा,कोसी, बागमती, महानंदा
, पुनपुन घाघरा आदि नदियाँ की धार ।

यह है भारत का छोटा
और प्यारा बिहार,
यहाँ कृष्ण के हाथों खाई कंश
बहुत हीं भयंकर मार।

यहाँ के अशोक,चाणक्य, चंद्रगुप्त मौर्य
आर्यभट्ट , महात्मा गांधी की चलती थी
हुंकार ,
यहाँ प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद
क्रांतिकारी नायक जय प्रकाश ने लिया
अवतार।

यहाँ भिखारी ठाकुर,शारदा सिन्हा
विंध्यवासिनी देवी
और विद्यापति के गीतों की गूँजती है
आवाज,
यहाँ जनकपुर में सीता मैया भी ली है
अवतार ।

बिहार के लोगों के गह- गह में भरे हैं संस्कार
यहाँ सबसे नियम -धरम से लोग
मनाते छठ पर्व त्योहार,
यहाँ सूर्य को अर्घ्य देने को
लगी रही कतार।

यहाँ भोजपुरी, मगही मैथिली में
भरल है मिठास
यहाँ की मिथिला पेंटिंग सब पेंटिंगों में खास,
यहाँ पर संयुक्त परिवार में रहते
मिलकर सब एक साथ।

यहाँ पर बहुत से मंदिर, मस्जिद हैं
हैं खुले गिरजा घर के द्वार,
यहाँ परमसंत महर्षि मेंहीं बाबा
के हैं ददिहर, ननिहाल
यहाँ मेँही बाबा ने लिए अवतार।

यहाँ धरहरा बनमनखी में लिए
प्रहलाद अवतार,
जिसके कारण हिरण्यकश्यप
को नरसिंह भगवान ने मारकर कर दिया समाप्त।

बिहार में 38 जिले हैं 8387 पंचायत
535 प्रखंड हैं और 09 प्रमंडल के द्वार,
यहाँ लोग स्वच्छ भोजन करते
नहीं पड़ते बीमार।

यहाँ उपजते हैं धान ,गेहूं, गन्ना मक्का,जूट,
तंबाकू और दाल,
यहाँ के मिट्टी चुल्हा पर का खाना
लागे बड़ा हीं कमाल।

यहाँ बोधगया, नालंदा, वैशाली
अशोक स्तंभ और पावापुरी,
यहाँ जाकर घुमकर आइए
बस तनिक है दूरी।

यहाँ के भागलपुर की रेशमी साड़ी
का नाम है बड़ी खास,
यहाँ पहनती हैं बेटी
बहू ,ननद सास।

बिहार के बारे में जितना लिखूँ
वो बहुत कम हीं होगा,
बिहार का नाम सदा भारत में
ऊंचा हीं रहेगा ऊंचा हीं रहेगा।

****

नीतू रानी(शिक्षिका)
स्कूल -म०वि०सुरीगाँव
प्रखंड -बायसी
जिला -पूर्णियाँ(बिहार)

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
ToB बालमन
Congratulations
CHAMPIONS

चैंपियंस ट्रॉफी के विनर सफेद ब्लेजर क्यों पहनते हैं: यह बेस्ट वनडे टीम का सिंबल, पहली बार ऑस्ट्रेलिया ने 2009 में पहना था

दुबई में रविवार को भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट से जीत दर्ज कर तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। मेडल सेरेमनी के दौरान खिलाड़ियों के साथ उनके सफेद ब्लेजर ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

लेकिन, टीम इंडिया ने सफेद ब्लेजर क्यों पहना। जवाब है, 'यह सम्मान का प्रतीक है, जो सबसे बेहतरीन वनडे टीम को दी जाती है।' चैंपियंस ट्रॉफी में दुनिया की बेस्ट-8 टीमें हिस्सा लेती हैं और जीतने वाली इसे हासिल करती है। ICC के अनुसार, यह जैकेट एक्सीलेंसी का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है।

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर कस्बा, पूर्णिया

मध्य विद्यालय सूरीगांव,बायसी
पूर्णिया

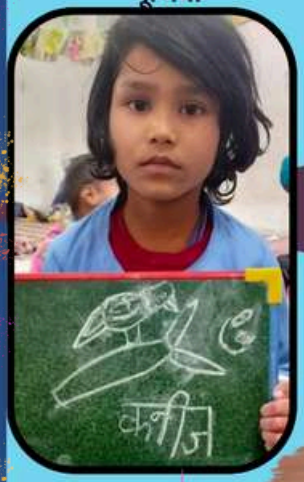

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ ,पटना

20 मार्च

विश्व गौरैया दिवस

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली, कटिहार।

TEACHERS OF BIHAR — THE CHANGE MAKERS

TOB बालमन

Quiz

1

बिहार का राजकीय पशु क्या हैं ?

A. बैल

B. गाय

C. घोड़ा

D. शेर

सही उत्तर: A

2

मंदार पर्वत किस राज्य में हैं?

A. हिमाचल प्रदेश

B. उड़ीसा

C. झारखण्ड

D. बिहार

सही उत्तर: D

3

कंगारू किस देश का राष्ट्रीय पशु हैं ?

A. चीन

B. आस्ट्रेलिया

C. दक्षिण कोरिया

D. स्पेन

सही उत्तर: B

4

उत्तर प्रदेश का उच्च न्यायालय कहां स्थित हैं?

A. वाराणसी

B. लखनऊ

C. प्रयागराज

D. मेरठ

सही उत्तर: C

धीरज कुमार

ToB बालमन

बूझो तो जाने ....

1

चेहरे पर लगाते है प्यार से,लोग छुड़ाते है आराम से
सूखा और गीला दोनों है,क्या है बूझो तो जाने

सही उत्तर: रंग

2

सबसे गले मिल कर खुशियां मनाना है।
प्यार से एक दूसरे के घर जाना है।।
ये खुशियों और उत्साह का पर्व है।
आपस में प्यार से हमे मानना है।।

सही उत्तर: होली/ईद

3

इससे होती रंगों की बौछार
होली में है बच्चो का ये हथियार।
नाम बताओ जल्दी से
मिलेगा तुमको ढेर सारा प्यार

सही उत्तर: पिचकारी

4

आने का कोई समय नहीं,करते है हम इनका मान।
मिलता है उपहार मिलता है सम्मान
बूझो तो जानें....?

सही उत्तर: मेहमान

संजय कुमार

ToB बालमन कविता

मेरे शिक्षक

सबसे अच्छे सबसे प्यारे,
मेरे शिक्षक कितने न्यारे।
खेल-खेल में हमें बताते,
नैतिकता का पाठ पढ़ाते।
विद्यालय से जब घर जाते,
बहुत - सी बातें सीख कर आते ।
हम उनके आंखों के तारे,
मेरे शिक्षक सबसे प्यारे।

अनुष्का कुमारी
वर्ग 4
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
मोहनियां(कैमूर)
बिहार

ToB बालमन के तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं

बिहार दिवस

NPS ढढणिया, भभुआ, कैमूर

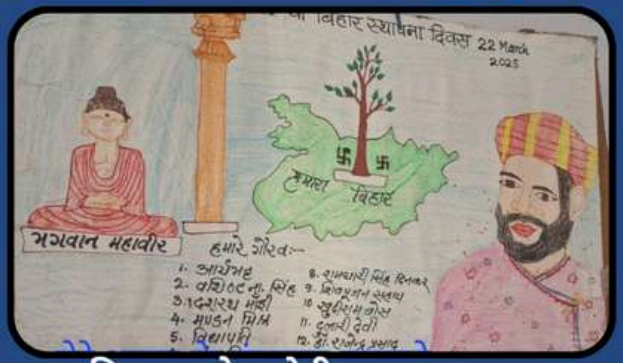

मध्य विद्यालय बेलागोपी,गायघाट, मुजफ्फरपुर

UMS दुघरा, भभुआ, कैमूर

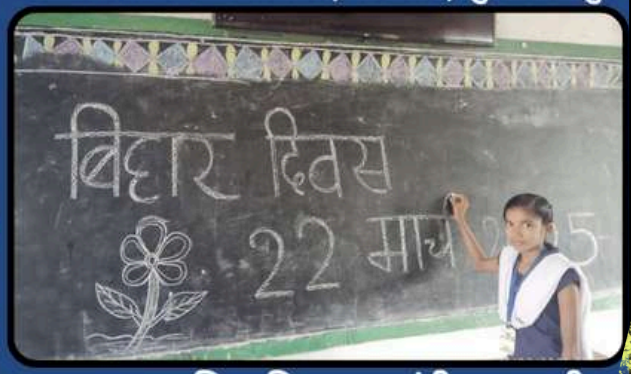

उच्च माध्यमिक विद्यालय रांटी , मधुबनी

मध्य विद्यालय सूरीगांव , बायसी,पूर्णिया

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा, समेली, कटिहार

मध्य विद्यालय मधुरापुर बालक प्रखंड:-नारायणपुर, जिला: -भागलपुर

Ums jhitkahiyan rampur ,vaishali

ToB बालमन

सामान्य ज्ञान

भारत की प्रथम महिलाएं

✍️ भारत की पहली महिला शिक्षक - सावित्रीबाई फुले

✍️ भारत की पहली महिला डॉक्टर - आनंदीबाई जोशी

✍️ भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी - किरण बेदी

✍️ भारत की पहली महिला ऑटोरिक्शा ड्राइवर - शिला दावरे

✍️ भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री - सुचेता कृपलानी

✍️ भारत की पहली महिला अभिनेत्री - दुर्गाबाई कामत

✍️ भारत की पहली महिला बैरिस्टर - कॉर्नेलिया सोराबजी

✍️ भारत की पहली महिला लड़ाकू पायलट - भावना कंठ

✍️ भारत की पहली महिला स्नातक और फ़िजीशियन - कादम्बिनी गांगुली

✍️ भारत की पहली महिला दूरदर्शन समाचार वाचक - प्रतिमा पुरी

आपकी कविता

बालमन पत्रिका

पत्रिका है बच्चों का एक आधार,
जिसमें समाया है संसार ।
पहले पन्ने पर मन की बात ,
अंदर है बहुत काम की बात।
खेल-खेल में सीखो है ,
बूझो पहेली इसमें है ।
गणित की दुनिया में सर चकराए
हंसगुल्ले भी गुदगुदायें।
बच्चों की करामाते हैं,
देश दुनिया की बातें हैं ।
खेल भी है खिलौने भी ,
सुंदर सपन सलोने भी ।
उत्सव है त्यौहार है,
ज्ञान विज्ञान की भरमार है।
चांद के साथ सितारे हैं,
विद्यालय के सुंदर नजारे हैं।
हम हैं और आप हैं,
विद्वान जनों का साथ है।

वर्ष 2025 माह मार्च अंक 39
बालमन
Powered by Teachers of Bihar

खुश्बू कुमारी (शिक्षिका)
UMS दुघरा, भभुआ, कैमूर
बिहार

19 मार्च

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स जी और बुच विल्मोर जी

को 9 महीने की सफल अंतरिक्ष यात्रा के बाद पृथ्वी पर वापसी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राजेश कुमार सिंह, विज्ञान शिक्षक
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय, कोरिगावां बहेरा, कैमूर

Physics Class 10

गोलीय दर्पण से संबंधित विभिन्न पद

मुख्य अक्ष(principal axis)- गोलीय दर्पण के ध्रुव से वक्रता-केन्द्र को मिलाने वाली सीधी रेखा को दर्पण का मुख्य अक्ष या प्रधान अक्ष कहते हैं।

फोकस दूरी (focal length)- गोलीय दर्पण के ध्रुव तथा फोकस के बीच की दूरी को फोकस दूरी कहते हैं।इसे f से निरुपित करते हैं ।

द्वारक(aperture) -गोलीय दर्पण के परावर्तक पृष्ठ की वृत्ताकार सीमा रेखा का व्यास,दर्पण का द्वारक कहलाता है ।

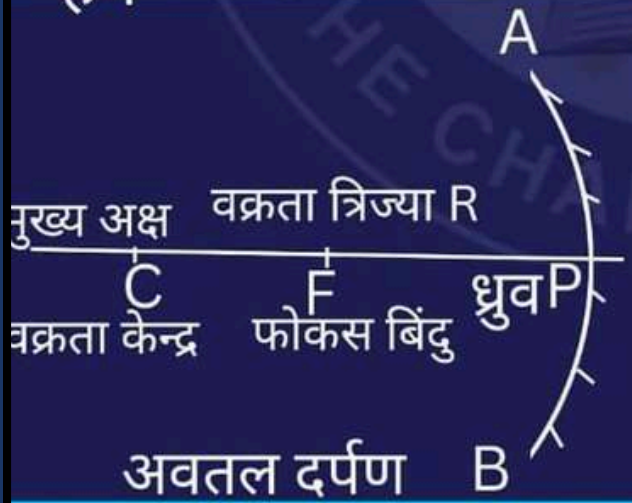

ToB बालमन

Photo of the mouth 1

संकलनकर्ता: पुष्पा प्रसाद

सौजन्य से:
निकिता चौधरी
टीम बालमन
(गुजरात)

प्राथमिक विद्यालय
ब्लॉक हेडक्वाटर
कस्बा
(पूर्णिया)बिहार

मध्य विद्यालय
अरिहाना
आजमनगर(कटिहार)
बिहार

हर तस्वीर कुछ खास होती हैं

आओं सीखें

दया

जब हम किसी को कष्ट में देखकर उसकी मदद करने की इच्छा रखते हैं , तो उसे दया कहते हैं । यह क्षणिक भावना हो सकती हैं । जैसे:-
भिखारी को ठंड में देखकर मुझे उसपर दया आ गई ।इसलिए मैंने उसे कम्बल दे दिया ।

V/S

करुणा

यह दया से गहरी भावना होती है, जिसमे सहानुभूति के साथ-साथ कष्ट दूर करने की इच्छा भी होती हैं । यह अधिक स्थायी और व्यापक होती हैं ।
जैसे :- डॉक्टर को मरीजों के प्रति करुणा का भाव रखना चाहिए ताकि वे अच्छे से उनकी देखभाल करें ।

संक्षेप में :-

- दया : थोड़ी देर के लिए किसी पर तरस आना और मदद करना ।
- करुणा : गहराई से किसी के दर्द को महसूस करना और हमेशा मदद करने की सोच रखना ।

ज्ञान :

किसी विषय या तथ्य की समझ और अनुभव को ज्ञान कहा जाता हैं ।
जैसे :-
जीवन के अनुभव से सही और गलत का ज्ञान होता हैं।

V/S

विद्या :

यह किसी विशेष विषय या कौशल से जुड़ी शिक्षा को विद्या कहा जाता हैं।
जैसे :-
सरिता संगीत की विद्या प्राप्त कर रही हैं।

संक्षेप में :-

- ज्ञान : अनुभव से प्राप्त होने वाली समझ ।
- विद्या : पुस्तकों से प्राप्त होने वाली शिक्षा ।

रवि शर्मा

ToB बालमन

अंतरिक्ष की दुनिया

शनि ग्रह

यह सूर्य से छठा ग्रह है और बृहस्पति के बाद सौरमंडल का दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है।शनि ग्रह अपने छल्लों के लिए जाना जाता है।शनि ग्रह का वायुमंडल 94% हाइड्रोजन और 6% हीलियम से बना है।शनि का एक ठोस कोर है जो लोहे, निकल और चट्टान से बना है। शनि के 145 से ज़्यादा चंद्रमा हैं, जिनमें से सबसे बड़े टाइटन और रिया हैं।टाइटन की खोज डच वैज्ञानिक ने साल 1655 में दूरबीन से की थी।शनि के छल्ले ज़्यादातर पानी की बर्फ़ के अलग-अलग कणों से बने हैं।शनि के छल्लों को गैलीलियो ने साल 1610 में देखा था।शनि का चुंबकीय क्षेत्र पृथ्वी की तुलना में थोड़ा कमज़ोर है।सूर्य के चारों ओर एक घुमाव पूर्ण करने के लिए इसको 10,759 पृथ्वी दिवस लगभग 29½ वर्ष) लगता हैं।

धीरज कुमार

ToB बालमन

संकलनकर्ता: पुष्पा प्रसाद

Photo of the month 2

तस्वीरें बिन बोले सब बोलती हैं.....

प्राथमिक विद्यालय अंहारी मुशहरी टोल
रीगा, (सीतामढ़ी) बिहार

प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर, छातापुर
सुपौल(बिहार)

U.H.S. दखली टोला पीरपैंती, भागलपुर(बिहार)

प्राइमरी शाला हरदी, बिलासपुर
(छत्तीसगढ़)
सौजन्य से: दीपिका श्रीवास्तव (टीम बालमन छत्तीसगढ़)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ (कैमूर)
बिहार

ToB बालमन

अतीत के पन्नों से...

23 मार्च 1931

23 मार्च का देश के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों को हंसते-हंसते न्यौछावर करने वाले तीन वीर सपूतों का शहीद दिवस है। 23 मार्च यानि क्रांतिकारी वीर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव का बलिदान दिवस। यह दिवस न केवल देश के प्रति सम्मान और हिंदुस्तानी होने वा गौरव का अनुभव कराता है, बल्कि वीर सपूतों के बलिदान को भीगे मन से श्रद्धांजलि देता है। भगत सिंह, सुखदेव, और राजगुरु ने साल 1928 में लाहौर में जॉन सॉन्डर्स की हत्या कर दी थी।इस मामले में भारत के तत्कालीन वायसरॉय लॉर्ड इरविन ने एक विशेष ट्राइब्यूनल का गठन किया था।
इस ट्राइब्यूनल ने तीनों को फांसी की सज़ा सुनाई थी। क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर को 23 मार्च, 1931 को लाहौर जेल में ब्रिटिश सरकार ने फांसी पर लटका दिया था। इस दिन को भारत में 'शहीद दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

ToB बालमन कविता

गौरैया

सुबह सुबह चीं चीं करके
जग की जो नींद चुराती है
नन्हें नन्हें पंखों वाली
गौरैया कहलाती है ।

रहती हरदम साथ हमारे
मेरे घर के रोशनदान में
शीशे पर आकर बैठती
चुन-चुन कर दाने अनाज के।

लाख करे मां जतन सफाई की
तिनके वो लाकर बिखेरती
घास-फूस औ तिनकों से
अपना नीड़ है स्वंय बनाती ।

संग हमारे फुदका करती
मुढ़ी चूड़ा चावल खाती
पापा जो बिस्किट हैं देते
वो बच्चों को देकर आती ।

बिजली के पंखें से टकराकर
घायल जब वो हो जाती है
उसके पंखों को सहलाती
मुनिया है अश्रुकण बहाती ।

गौरैया के लिए कटोरे में
हम जल रखना ना भूलें
पर्यावरण बचाना है तो
जीवन शृंखला सजा लें ।

चंदना दत्त(शिक्षिका)
UHS रांटी,मधुबनी बिहार

संकलनकर्ता: पुष्पा प्रसाद

Photo of the month 3

हर तस्वीर कुछ कहती हैं...

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)

मध्य विद्यालय नोनिया टोला, चकला (अररिया)

प्राथमिक विद्यालय छुरछुरीया, फारबिसगंज (अररिया)

UHS, बैजनाथ रामगढ़ (कैमूर)

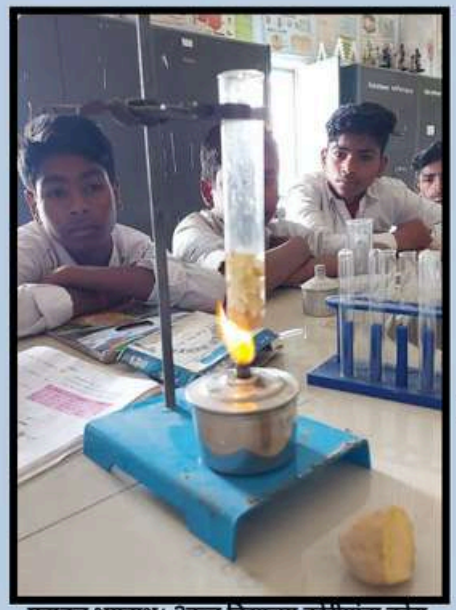

महाबल भृगुनाथ+ 2उच्च विद्यालय कोरीगांवा बहेरा कैमूर

ToB बालमन

शिक्षा शब्दकोश

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

तुकान्त

कविता की पंक्तियों के आखिर में आने वाले शब्दों की समानता को तुकान्त कहते हैं।इसे तुकबंदी भी कहा जाता है। तुकबंदी को अंत्यानुप्रास भी कहा जाता है। कविता के शिल्प में तुकान्त का बहुत महत्व है।

राकेश कुमार

सजनी कुमारी
प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला,कलगीगंज कहलगाँव, भागलपुर

निशा कुमारी
प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला,कलगीगंज कहलगाँव, भागलपुर

Eid Mubarak

ToB बालमन के तरफ से ईद मुबारक

अभिभावक- शिक्षक संगोष्ठी

प्रगति पत्रक वितरण

मध्य विद्यालय बलुआ,मनेर, पटना

मध्य विद्यालय अरिहाना,आजमनगर(कटिहार)

UHS मुशिया, नुआंव, कैमूर

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, बरौली गोपालगंज

UMS बरना, कुदरा, कैमूर

मध्य विद्यालय सोनहन, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय बैरगाछी, कुमारीपुर कटिहार

UMS अर्रा, मोहनियां, कैमूर

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

NPS ब्लॉक हेडक्वाटर कस्बा पूर्णिया

UMS दुदहा, सिवान

UMS दुघरा, भभुआ, कैमूर

बालमन

माह फरवरी की पत्रिका को पढ़ने के लिए नीचे चित्र पर क्लिक करें।

आप टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका से जुड़ कर बच्चों की प्रतिभा को एक आयाम देना चाहते हैं तो जरूर संपर्क करे ।

प्रधान सम्पादक: धीरज कुमार (शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर (बिहार)

Teachers of Bihar- +917250818080

Dhiraj Kumar- +91 9431680675

Info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com